RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार, 14 फरवरी 2023 वर्ष 04 अंक 258 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

देवेंद्र फडणवीस का बड़ा दावा

शरद पवार के साथ मीटिंग के बाद ही अजित पवार के साथ बनी थी सरकार

मुंबईः महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि 23 नवंबर 2019 की सुबह हुई शपथ विधि एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार की सहमति से हुई थी। हालांकि, यह सरकार महज 72 घंटों के भीतर ही गिर गई थी। फडणवीस ने कहा कि शरद पवार से चर्चा के बाद मैंने और अजित पवार ने सुबह के समय मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। देवेंद्र फडणवीस के इस दावे के बाद महाराष्ट्र की सियासत में हड़कंप मचा हुआ है। एनसीपी के नेता डिफेंसिव मोड में आकर बयानबाजी कर रहे हैं। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उस समय ऐसा माहौल चल रहा था कि उद्धव ठाकरे, कांग्रेस और एनसीपी के साथ मीटिंग और चर्चा कर रहे थे। तब तक यह समझ में आ चुका था कि उद्धव ठाकरे इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उसी दौरान हमें भी

एनसीपी की तरफ से ऑफर आया। एनसीपी की तरफ से यह कहा गया कि हमें एक स्टेबल गवर्नमेंट की जरूरत है, इसलिए हम मिलकर सरकार बनाते हैं। जब राजनीति में कोई व्यक्ति आपको धोखा देता है तो आप एक-दूसरे का चेहरा देखते हुए नहीं बैठ सकते। इसलिए हमने

उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान से महाराष्ट्र की सियासत में खलबली

भी उनके ऑफर को स्वीकार किया और उनसे इस विषय पर चर्चा की।

फडणवीस ने कहा कि मैं बड़े ही स्पष्ट शब्दों में यह कह रहा हूं कि यह सारी बातचीत एनसीपी प्रमुख शरद पवार से हुई थी। किसी निचले स्तर के नेता से यह बातचीत नहीं हुई थी। उनसे बातचीत के बाद ही सब कुछ तय हुआ था लेकिन बाद में यह तमाम चीजें कैसे पलट गईं, यह सब कुछ आपने भी देखा है। इस मुद्दे पर एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस एक सुसंस्कृत और सभ्य इंसान हैं। बावजूद इसके इतनी बड़ी बात उन्होंने किस आधार पर कही, यह मुझे पता नहीं।

'जेल में ऑफर मिला था, अगर...' महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख का चौंकाने वाला दावा...

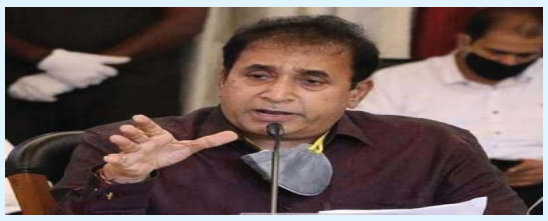

मुंबई : नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने रविवार (12 फरवरी) को चौंकाने वाला दावा किया. उन्होंने कहा कि जेल में उन्हें एक ऐसा ऑफर मिला था, जिसे वो मान लेते तो महाविकास आघाड़ी के नेतृत्व वाली सरकार काफी पहले गिर गई होती. अनिल देशमुख धनशोधन मामले में 13 महीने जेल में थे और अभी जमानत पर हैं. अनिल देशमुख को नवंबर 2021 में गिरफ्तार किया गया था और उन्हें पिछले साल 28 दिसंबर को जमानत पर रिहा किया गया. अनिल देशमुख ने वर्धा के सेवाग्राम में नदी व वन संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाली ग्राम सभाओं गैर-सरकारी संगठनों के सामूहिक वन अधिकारों के राज्य-स्तरीय सम्मेलन को संबोधित किया. यहां उन्होंने दावा किया, ''मुझे जेल में ऑफर मिला था, जिसे मैंने खारिज कर दिया. अगर मैं समझौता कर लेता (ऑफर स्वीकार कर लेता) तो महाविकास आघाड़ी के नेतृत्व वाली सरकार ढाई साल पहले ही गिर गई होती, लेकिन मैं न्याय में विश्वास करता हूं, इसलिए मैंने रिहा होने का इंतजार किया.''इससे पहले, शनिवार (11 फरवरी) को अनिल देशमुख ने कहा कि मुझ पर 100 करोड़ रुपये (धनशोधन) का आरोप है, लेकिन आरोप पत्र में यह राशि 1.71 करोड़ रुपये बताई गई है. उन्होंने कहा, ''जांच एजेंसी 1.71 करोड़ रुपये के भी सबूत पेश करने में नाकाम रही.

मुंबई में फिर एक महिला हुई दहेज का शिकार, पारिवारिक प्रताड़ना के कारण की आत्महत्या

मुंबई : महाराष्ट्र के मुंबई में एक महिला फिर दहेज का शिकार हुई है। परिजनों द्वारा प्रताड़ित किए जाने के कारन उसने बांद्रा में आत्महत्या कर ली है। मृतक का नाम पिंकी अभिषेक चावला है। बताया जा रहा है कि, महिला को उसके पति अभिषेक चावला और ससुर चंद्रभान चावला द्वारा कथित रूप से दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था।

महिला के परिवार द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने मृतका के पति और ससुर गिरफ्तार कर लिया है। मुंबई पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, महिला अपने पति अभिषेक चावला और अपने ससुराल वालों के साथ मुंबई के बांद्रा इलाके में रहती थी। अभिषेक और उनके पिता चंद्रभान चावला

मिलकर कबाड़ का कारोबार करते थे। लेकिन व्यवसाय में घाटा होने के बाद अभिषेक अपनी पत्नी पर मायके वालों से दहेज लाने का दबाव बनाने लगा और उसे प्रताड़ित करने लगा। यही नहीं उसके पिता ने भी महिला पर दहेज लाने का दबाव बनाया।

दहेज के लिए की पिटाई

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने महिला को गली गलोच ही नहीं, बल्कि उसकी पिटाई भी की। वहीं, प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। मृतक महिला के रिश्तेदार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर निर्मल नगर पुलिस ने आरोपी अभिषेक और उसके पिता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर आईपीसी की धारा 34 (सामान्य इरादे), 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने की सजा) और 498 (ए) के तहत मामला दर्ज किया है। आगे की जांच चल रही है।

'बम ब्लास्ट होने वाला है', मुंबई पुलिस के जॉइंट कमिश्नर को आया फोन, पुलिस अलर्ट

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में एक दिन के अंदर ही फोन पर बम विस्फोट की दो धमकियां मिली हैं। गूगल दफ्तर को उड़ाने की धमकी के बाद सोमवार को एक और फोन कॉल में एक कॉलर ने मुंबई पुलिस के जॉइंट कमिश्नर को मीरा भयंडर इलाके में संभावित बम धमाके को लेकर सूचना दी। बताया गया है कि यह फोन रविवार देर रात दो बजे आया, जिसके बाद पुलिस को अलर्ट कर दिया गया। फोन करने वाले ने अपना नाम यशवंत माने बताया था। मामले में जांच जारी है।

संपादकीय / लेख

सुधरती आंतरिक सुरक्षा

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हैदराबाद में भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह सही कहा कि उनकी सरकार ने आतंकवाद के विरुद्ध जो कठोर नीति अपना रखी है, उसके कारण ही उस पर लगाम लगी है। नि:संदेह यह भी कहा जा सकता है कि आतंकवाद के साथ नक्सलवाद और पूर्वोत्तर का उग्रवाद भी एक बड़ी हद तक नियंत्रित हुआ है, लेकिन यह भी एक तथ्य है कि आंतरिक सुरक्षा के समक्ष चुनौतियां अभी भी कायम हैं। यह चुनौती अतिवादी संगठन पापुलर फ्रंट आफ इंडिया यानी पीएफआइ पर पाबंदी लगाने और उसके सदस्यों की धरपकड़ के बाद भी कायम है। पीएफआइ के ऐसे सदस्यों की गिरफ्तारी होती ही रहती है, जो आतंकी और अलगाववादी गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं। इस संगठन के इरादे कितने खतरनाक हैं, इसका पता इससे चलता है कि उसने 2047 तक भारत को इस्लामी राष्ट्र बनाने का न केवल षड्यंत्र रच रखा था, बल्कि उस पर काम भी कर रहा था। यह नहीं कहा जा सकता कि पीएफआइ पर पाबंदी लगने के साथ ही उसके सभी सदस्य निष्क्रिय होकर बैठ गए होंगे। वे नहीं बैठे, इसका पता हाल में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ओर से मध्य प्रदेश और बिहार के अतिरिक्त दूसरे राज्यों से पीएफआइ सदस्यों की गिरफ्तारियों से चलता है। इन गिरफ्तारियों से यही स्पष्ट होता है कि इस प्रतिबंधित संगठन के सदस्य अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। इसकी आशंका है कि वे नए सिरे से एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं। वे ऐसा न करने पाएं, इसके लिए एनआइए समेत अन्य एजेंसियों को सचेत रहना होगा।

सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियों के समक्ष उन समूहों पर भी नियंत्रण पाने की चुनौती है, जो पीएफआइ की तरह से विघटनकारी एजेंडे पर चल रहे हैं और अतिवाद को हवा दे रहे हैं। इनमें से कुछ समूहों के तार दूसरे देशों के आतंकी संगठनों से भी जुड़े हुए हैं। इन समूहों की सक्रियता का कारण यह है कि युवाओं को बरगलाकर अतिवाद के रास्ते पर ले जाने वालों को नियंत्रित नहीं किया जा सका है। इसी कारण रह-रहकर ऐसे युवा पकड़े जाते रहते हैं, जो अलकायदा अथवा इस्लामिक स्टेट से जुड़ने या फिर उनके लिए काम करने को तत्पर रहते हैं। स्पष्ट है कि आतंकी तत्वों के साथ उन्हें अतिवाद का पाठ पढ़ाने वालों की निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता है। ऐसी ही आवश्यकता नक्सली और अलगाववादी संगठनों के मामले में भी है। निश्चित रूप से ऐसे संगठनों की ताकत कम हुई है, लेकिन वे यदा-कदा सिर उठाते रहते हैं। यह सही समय है कि इन संगठनों को पूरी तरह निष्क्रिय-नाकाम करने के लिए कोई रणनीति बनाई जाए। इसमें सफलता तब मिलेगी, जब राज्य सरकारें केंद्रीय एजेंसियों और विशेष रूप से राष्ट्रीय जांच एजेंसी का सहयोग करने के मामले में तत्परता दिखाएंगी।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

आपने विडियो लाईक किया पैसे लीजिये, 150 रुपये देकर लाखों उड़ाए

मुंबई। लोन एप धोखाधड़ी मामले में कार्रवाई के बाद ठगों ने ठगी का तरीका बदल लिया है। यूट्यूब वीडियो लाइक करने के पैसे देने का लालच देकर और अन्य तरीकों से ठगी की जा रही है। हाल ही में शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में महिला ने ठगी का मामला दर्ज कराया। पीड़िता ने कहा कि उसे अज्ञात नंबर से वाट्सएप पर मैसेज मिला।

पीड़िता को दिया पैसा कमाने का लालच

पीड़िता के अनुसार मैसेज भेजने वाले ने पीड़िता को पैसा कमाने का लालच दिया। पीड़िता झांसे में फंस गई। उसे तीन यूट्यूब वीडियो लाइक करने के लिए 150 रुपये मिले। इसके बाद उसे वाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। उसे अधिक पैसा कमाने का लालच देकर पांच लाख रुपये जमा करने को कहा।

कई बार जमा किए 10 लाख रुपये

महिला ने कर्ज लेकर 10 लाख रुपये जमा किए। इसके बाद बताया गया कि कमीशन के बाद उसकी कुल राशि 30 लाख रुपये से अधिक है, इसलिए टैक्स के तौर पर 10 लाख रुपये भुगतान करना होगा। उसने 10 लाख रुपये और जमा किए, लेकिन फिर भी पैसे नहीं मिले। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसको सरकारी सरकारी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जिसके बाद वह आश्वस्त हो गई और उनके निदेशों का पालन करने लगी।

पीड़िता को मिले 1900 रुपये

पीड़िता ने कहा कि पहले दिन उसे तीन यूट्यूब वीडियो पसंद करने के लिए 150 रुपये मिले और अगले दिन भी उसने कुछ पैसे कमाए। तीसरे दिन उन्हें एक अन्य कार्य के बारे में बताया गया, जिसमें उन्हें क्रिप्टो करेंसी से संबंधित एक वेबसाइट पर डेटा दर्ज करना था, जिसके लिए उन्हें 1000 रुपये का क्रेडिट खरीदने के लिए कहा गया था और डेटा भरने के बाद उन्हें 1900 रुपये प्राप्त हुए।

आइआइटी बॉम्बे के छात्र ने 7वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या, कमरे के बोर्ड में लिखा मैसेज; जांच में जुटी पुलिस

मुंबई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे के पवई परिसर में स्थित छात्रावास की छत से कूदकर 26 वर्षीय एक छात्र ने सोमवार की सुबह आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया छात्र के अवसाद का इलाज कराने की बात सामने आई है।

कमरे के बोर्ड में लिखा एक संदेश

पवई पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि छात्र की पहचान दर्शन मालवीय के तौर पर हुई है, जिसने छात्रावास के अपने कमरे में बोर्ड पर एक संदेश लिखा कि किसी को भी उसकी मौत के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाए। मालवीय का शव सात मंजिला छात्रावास के बाहर एक चौकीदार ने देखा जिसने संस्थान के अधिकारी को सूचित किया। इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

मध्य प्रदेश का रहने वाला था छात्र

अधिकारी ने बताया कि मालवीय को पास के अस्पताल में ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अहमदाबाद का रहने वाला छात्र पिछली जुलाई से इस संस्थान से स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहा था।

शिवसेना मराठियों और उत्तर भारतीयों में अंतर नहीं करती : उद्धव ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी मराठियों और मुंबई में बसे उत्तर भारतीयों में किसी भी तरह का अंतर नहीं करती। उनकी इस टिप्पणी को बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले अहम वोट बैंक तक पहुंचने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

घृणा फैलाना और लोगों को बांटना हिंदुत्व नहीं है

उत्तर भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए ठाकरे ने एकता का आह्वान

किया और कहा कि घृणा फैलाना और लोगों को बांटना हिंदुत्व नहीं है। मैं भाजपा से अलग हो गया, क्योंकि मैंने कभी हिदुत्व को नहीं छोड़ा। भाजपा हिंदुत्व नहीं है। उत्तर भारतीय इस बात का जवाब चाहते हैं कि हिंदुत्व क्या है। एक दूसरे से नफरत करना हिंदुत्व नहीं है। हम मराठी भाषी और मुंबई में बसे उत्तर भारतीय लोगों में अंतर नहीं करते।

गलतफहमियों को भुला देने की अपील

पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर भारतीय समुदाय से पूर्व की गलतफहमियों को भुला देने की अपील की। गौरतलब है कि शिवसेना ने हमेशा स्वयं को मराठी भाषी लोगों के एकमात्र संरक्षक के रूप में पेश किया है। पूर्व में उत्तर भारतीयों के खिलाफ हिंसक आंदोलन का नेतृत्व किया है।

माणिकपुर पुलिस स्टेशन को मिली सफलता !

पकड़ा गया मोटरसाइकिल चोर

वसई : माणिकपुर पुलिस स्टेशन को एक सफलता मिली है, जिसमें पुलिस टीम ने एक शातिर मोटरसाइकिल चोर को पकड़ ली और उसके पास से लाखो का माल भी जप्त की है इसके साथ साथ दो मामलों का पदार्फाश करने में पुलिस सफल रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार माणिकपुर पुलिस स्टेशन की क्राइम डिटेक्शन की टीम ने मोटरसाइकिल चोरी करने के मामले में एक २३ वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर २ अपराधों की गुत्थी सुलझा ली और ३ लाख से अधिक माल जप्त करते हुए ३ मामलों की जांच में जुट गई है। पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी शनिवार को दी है। पुलिस ने बताया कि ७ फरवरी को मानिकपुर थाना क्षेत्र में शिकायतकर्ता निहाल संजय घरत,उम्र ३१ साल,अपनी ओला कंपनी एस-१ प्रो.इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल के साथ प्रातः १०.०० बजे रात ०८.३० बजे हैं नायगांव वेस्ट ब्रिज स्थित गाड़ी खड़ी करने के दौरान अज्ञात चोर ने चोरी कर फरार हो गए,इस मामले में माणिकपुर थाने में अज्ञात चोर के ऊपर मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश एवं निदेर्शानुसार मानिकपुर थाना पुलिस क्राइम डिटेक्शन टीम ने तकनीकी विश्लेषण व गुप्त मुखबिर के माध्यम से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी का नाम चंद्रेश गणेश प्रसाद पाठक उम्र २३ वर्ष को गिरफ्तार किया गया और पूछताछ की गई, क्योंकि यह पाया गया.

प्रभाग समिति सी के अधिकारी ने विरार पुलिस स्टेशन में दी शिकायत

धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज

वसई : जहाँ एक तरफ वसई विरार शहर महानगरपालिका द्वारा अवैध निमार्णों पर तोड़क कार्रवाई कर रही है,वही दूसरी और बिल्डरों द्वारा बनाई गयी फर्जी बांधकाम परमिशन पर भी शिकंजा कस दिया है,जिसके चलते विविसीएमसी प्रभाग 'सी' के प्र.सहायक आयुक्त ने विरार थाने में विकासक/जमीन मालिक व अन्य एक लोगो पर एफआईआर दर्ज करवाया है। ज्ञात हो कि इस मामले में भाजपा नेता शशिकांत दुबे ने ११ अक्टूबर २०२२ में विविसीएमसी को लिखित शिकायत पत्र दिया था।मिली जानकारी के अनुसार,विविसीएमसी आयुक्त अनिलकुमार पवार व अतिरिक्त आयुक्त रमेश मनाले के आदेशानुसार उपायुक्त (अतिक्रमण प्रमुख) अजित मुठे के मार्गदर्शन में विविसीएमसी के विभिन्न प्रभागों में अवैध निमार्णों पर बुलडोजर गरज रहा है। वही प्रभाग 'सी' के प्र.सहायक आयुक्त गणेश पाटिल है। उन्होंने विरार थाने में शिकायत दिया है कि विरार पूर्व के गांव मौजे कोपरी,सर्वे नं. १३७,हिस्सा नं.२ में आरोपी ने सक्षम प्राधिकारी से अनुमति लिए बिना अपने सहयोगियों और लाभार्थी के साथ साजिश रची,केवल रुद्रांश ए व बी आवासीय जी+५ अनाधिकृत भवन का निर्माण किया गया,एवं सह दुय्यम वर्ग-२, वसई-५ के साथ फर्जी बांधकाम परमिशन के आधार पर पंजीकृत विलेख संख्या ४५३६/२०२२ बनाकर, इस मामले में नगरपालिका द्वारा निष्कासन की कार्रवाई की थी,फ्लैटों को सील करने के बाद भी सील तोड़कर फ्लैटों को कब्जे के लिए दे रहे हैं,उन्होंने नगरपालिका और फ्लैट खरीदने वाले नागरिकों को धोखा दिया है,प्र. सहायक आयुक्त गणेश पाटिल ने उक्त मामले में सभी दस्तावेजो कि जांच पड़ताल करने के बाद ९ फरवरी को विकासक/जमीन मालिक रुद्रांश रियल्टर्स विकासक/जमीन मालिक दिलीप कैलास बेनवंशी व अन्य एक के ऊपर एफआईआर दर्ज करवाया है। पुलिस ने इन सभी आरोपियों पर कलम ४२०,४६५,४६७,४७१,३४ व अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच किया जा रहा है।

सीसीटीवी कैमरा के सहयोग से पकड़े

गए दो अलग -अलग स्टेशनों से आरोप

वसई : विरार और वसई दो अलग-अलग रेलवे स्टेशनों से आरपीएफ ने दो मोबाइल चोर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। बताया गया है कि दोनो आरोपी को आरपीएफ ने जीआरपी वसई के हवाले कर दिया है। गौरतलब है कि इन दिनों आरपीएफ सीसीटीवी के माध्यम से मोबाइल, पॉकेट मार व अन्य अपराधों पर अपनी नजर गड़ाई हुई। बताया गया है कि ८ फरवरी को नालासोपारा स्टेशन के प्लेटफॉर्म ०२ पर मोबाइल (कीमत ९००० रुपये) की चोरी हुई थी,आरपीएफ सी. पी.डी.एस टीम द्वारा लगातार निगरानी की गई, इसी दरम्यान १० फरवरी को एक संदिग्ध व्यक्ति को सी.पी. डी.एस टीम के एच.सी संदीप गायकवाड़,सी.टी संजय कुमार, सी.टी कृष्णा सैनी,सी.टी संदीप कुमार,एच. सी राकेश सिंह और ड्यूटी स्टाफ एल/एच.सी प्रमिला यादव द्वारा नालासोपारा प्लेटफॉर्म नं.३ पकड़ा गया, बाद में उनसे एस.आई.पी.एफ सुभाष चंद्र यादव ने पूछताछ की,जहां उन्होंने अपना नाम असलम बाबू शेख,उम्र १८ साल,निवासी-प्रगति नगर नालासोपारा पूर्व बताया व मोबाइल चोरी अपराध को स्वीकार किया। आरोपी असलम ने एक और यात्री का मोबाइल (कीमत -९००० रुपये) चोरी करने का गुनाह कबूल किया है।इस मामले में जीआरपी वसई दो एफआईआर दर्ज किया है।दूसरी घटना ; ९ फरवरी को सी.पी.डी.एस टीम के एसआईपीएफ राकेश शर्मा, सी.टी. राकेश तंवर, सी.टी प्रधान चौधरी और सी. टी एमपी सिंह विरार स्टेशन की निगरानी के दौरान रंगे हाथों रोहन राजेश रायडू (२१) को विरार स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं.३ से मोबाइल चोरी के मामले में दबोचा,पूछताछ के बाद उसने यात्री की जेब से चोरी किए गए मोबाइल (१५,००० रुपये) के अपने दोषी को स्वीकार किया,हालाँकि दोनो मामले की जांच जीआरपी वसई कर रही है।

बोरीवली आरपीएफ चोरों को पकड़ने में लगातार हो रही सफल...

वसई : आरपीएफ इन दिनों ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत विभिन्न मलों में अपराधियो को पकड़ रहीहै। इसी कड़ी में बोरीवाली आरपीएफ ने एक २२ वर्षीय शातिर मोबाइल चोर को पकड़कर उसे जीआरपी बोरीवाली के हवाले कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार ३० जनवरी को लगभग १४;४५ बजे के आसपास केआईएलई प्लेटफॉर्म नं.१ पर एक यात्री का मोबाइल फोन चोरी (कीमत - २१,९९९ रुपये) हो गया था।इस मामले में जीआरपी बोरीवाली में केस दर्ज किया गया था। आरपीएफ सी.पी. डी.एस टीम ने उक्त चोरी के मामले के फुटेज की जांच की और अवलोकन के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति मिला।

पॉकेट मार को आरपीएफ पकड़ कर की जीआरपी के हवाले

वसई : नालासोपारा पूर्व का रहने वाला एक २२ वर्षीय पॉकेट मार को बोरीवाली आरपीएफ धर दबोचकर उसे जीआरपी बोरीवाली के हवाले कर दिया है। बताया गया है कि बोरीवाली प्लेटफॉर्म नं.५ पर ३० जनवरी को एक यात्री का पर्स (कीमत - ८,००० रुपए) चोरी हो गया था,इस मामले में जीआरपी बोरीवाली में केस दर्ज किया गया था। मामले को संज्ञान में लेते हुए आरपीएफ बोरीवाली की सी.पी.डी.एस टीम ने उक्त चोरी के मामले के फुटेज की जांच की और निरीक्षण के दौरान एक संदिग्ध पुरुष मिला,बोरीवाली और काइल स्टेशन के आसपास के इलाके में लगातार निगरानी की जा रही थी, ९ फरवरी को,एक संदिग्ध पुरुष व्यक्ति को बोरीवाली स्टेशन के प्लेटफॉर्म ४ से सी.पी.डी.एस टीम के सी.टी रवि बर्मन, सी.टी विनोद कुमार और सी.टी कमलेश स्वामी द्वारा पकड़ा गया,लेकिन उसने कोई संतोषजनक प्रतिक्रिया नहीं दी,फिर पोस्ट पर लाया गया,जहां उसने अपना नाम सूरज सुभाष जयशवाल उम्र- २२ साल निवासी- नालासोपारा पूर्व बताया और पर्स चोरी का दोष स्वीकार कर लिया।

नालासोपारा आरपीएफ द्वारा सराहनीय कार्य

आभूषण लौटा कर महिला के चेहरे पर दी मुस्कराहट

वसई: रविवार को पश्चिम रेलवे अंतर्गत नालासोपारा आरपीएफ ने एक बेहतर कार्य किया है। दरअसल,आरपीएफ ने एक महिला यात्री का लाखों रुपये आभूषण लौटाया है।महिला यात्री ने आरपीएफ व अन्य अधिकारियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यो का लेकर उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया है।बताया गया है कि १२ फरवरी को महिला कॉस्टेबल अन्नोबाई को एक महिला यात्री पूजा महेश सहने उम्र २८ वर्ष पता शिवजी नगर,वालीव ,वसई ने बताया कि उसकी गले की चैन टूट कर नालासोपारा प्लेटफॉर्म नं.१ के एक्सीलेटर में गिर गई है,उसके बाद महिला कांस्टेबल ने जीआरपी स्टाफ व एक्सीलेटर स्टाफ को बुलाकर एक्सीलेटर में गिरी सोने की चैन को निकाला,महिला यात्री को स्टेशन अधीक्षक कार्यालय लेकर आये,तथा सत्यापन कर कुल २० ग्राम कीमत १,१०००० रुपये की सोने की चैन को महिला यात्री को सही सलामत सौप दिया है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार, 14 फरवरी 2023

बोईसर में NIA की छापेमारी...

पूछताछ के लिए एक युवक को लिया हिरासत में

पालघर : पालघर जिले के बोईसर में एनआईए की एक टीम ने एक युवक को विदेशी आतंकवादी संगठनों से संबंध होने के संदेह में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उसका नाम हमराज शेख है। साथ ही एनआईए ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है। संदिग्ध आईएसआईएस आतंकी का नाम आरिफ बताया जा रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (ठकअ) ने आईएसआईएस और वैश्विक आतंकी संगठन अलकायदा से संबंध होने के संदेह में आज बेंगलुरु और बोईसर में छापेमारी की। जिसमे हमराज शेख को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है. एक रिपोर्ट के मुताबिक एनआईए के अधिकारियों ने हमराज को बोईसर अवधनगर से शनिवार सुबह हिरासत में लेकर उसे बोईसर पुलिस थाने ले आए। पुलिस ने सोमनाथ पैराडाइज में उस घर की भी तलाशी ली, जहां हमराज परिवार के साथ रहता है । उसके पास से मोबाइल और लैपटॉप जब्त कर लिया गया है और बताया जा रहा है कि उसे आगे की जांच के लिए मुंबई ले जाया गया है.

हमराज शेख का परिवार बोईसर में किराए के मकान में रह रहा है और उसके पिता ने मीडिया को बताया कि हमराज ने अपनी शिक्षा बोईसर में की,उन्होंने होटल मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन किया और अपनी शिक्षा के बाद वह केरल , सऊदी अरब में काम करने गया व दमन व वापी में भी कुछ महीने काम किया है,साथ ही बताया कि एनआईए (NIA) को शक है कि हमराज आईएसआईएस के संपर्क में है ।

एक संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

NIA ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है. संदिग्ध आईएसआईएस आतंकी का नाम आरिफ बताया जा रहा है। यह कार्रवाई पुलिस और एजेंसी ने संयुक्त रूप से की है। एनआईए ने बेंगलुरु में आईएस के एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है। आरोपी सीरिया जाने की योजना बना रहा था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को मुंबई और बेंगलुरु में कई जगहों पर छापेमारी की, जहां कुछ संदिग्धों के आतंकवादी संगठनों आईएसआईएस और अल-कायदा से संबंध हैं। इस दौरान बताया गया है कि संदिग्ध के स्थान से डिजिटल उपकरण और अपराध के दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

मलाड में गैस सिलेंडर फटने से झुग्गियों में लगी भीषण आग, 12 साल के बच्चे की मौत

मलाड : मुंबई के मलाड इलाके में झुग्गियों में सोमवार को भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि कुरार गांव के पास स्थित बस्ती में एक के बाद एक कई गैस सिलेंडर फटने से आग ने विकराल रूप ले लिया। फायर ब्रिगेड, पुलिस और बीएमसी के अधिकारी मौके पर मौजूद है। आग पर काबू पाने की कोशिशे चल रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, मलाड के जामरुशी नगर में आग लगने की घटना में एक बच्चे की मौत हो गई है। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने कहा, 'आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। हाल को बुझाने के प्रयास जारी है।' मृतक की पहचान 12 वर्षीय प्रेम तुकाराम बोरे के तौर पर हुई है। मुंबई फायर ब्रिगेड ने इसे लेवल-2 की आग घोषित किया है। बीएमसी अधिकारी के अनुसार, आग से 50-100 झोपड़ियों को नुकसान हुआ है। आग लगने के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। मलाड (पूर्व) के जमरूशी नगर इलाके में झुग्गियों में सुबह करीब सवा 11 बजे आग लगी। देखते ही देखते दर्जनों झोपड़ियां आग की लपटों में घिर गईं। इस दौरान कई गैस सिलेंडरों के धमाके की आवाजें भी सुनी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की आठ गाड़ियां, एंबुलेंस, एक डीएफओ, दो एडीएफओ, तीन एसओ मौके पर पहुंच गए हैं।

महाराष्ट्र के नासिक में टॉवर वैगन की चपेट में आने से चार ट्रैकमैन की मौत

नासिक : महाराष्ट्र के नासिक जिले में सोमवार को एक टावर वैगन की चपेट में आने से रेलवे के चार ट्रैकमैन की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। टावर वैगन का उपयोग विद्युतीकृत खंडों में ओवरहेड उपकरण के रखरखाव के लिए किया जाता है। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना मध्य रेलवे के लासलगांव और उगांव स्टेशनों के बीच सुबह करीब 5.45 बजे हुई। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि ट्रैकमैन काम कर रहे थे, तभी वे गलत ओर से आये टॉवर वैगन की चपेट में आ गए। उन्होंने कहा कि घटना की जानकारी मिलने के बाद लासलगांव पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने कहा कि वैगन चालक को हिरासत में ले लिया गया।

डिप्टी CM फडणवीस के कार्यालय के बाहर हनुमान चालीसा का जाप करने जा रही थी महिलाएं, पुलिस ने रोका

नागपुर : नागपुर पुलिस ने सोमवार को महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की सदस्यों को उस वक्त रोक लिया, जब वह महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय जा रहे थे। बता दें कि वह अपनी मांगों को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय पर 'हनुमान चालीसा' का जाप करने जा रही थीं। जिसके बाद नागपुर पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

नागपुर में पिछले एक सप्ताह से चल रहा है विरोध-प्रदर्शन

महाराष्ट्र के वर्धा शहर से ताल्लुक रखने वाली महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य मानदेय जारी करने की मांग को लेकर फडणवीस के गृहनगर नागपुर शहर में एक सप्ताह से विरोध प्रदर्शन कर रही हैं, उनका दावा है कि राज्य सरकार द्वारा इसे रोक दिया है।

पुलिस ने कार्यालय की सुरक्षा को बढ़ाया

दरअसल, रविवार को विरोध प्रदर्शन का आ''ान करने के बाद पुलिस ने डिप्टी सीएम फडणवीस के कार्यालय की सुरक्षा कड़ी कर दी है। डिप्टी सीएम फडणवीस नागपुर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और वर्धा जिले के संरक्षक मंत्री भी हैं।

संविधान चौक से त्रिकोणी पार्क तक निकाली जानी थी रैली

प्रदर्शनकारियों का प्रतिनिधित्व कर रहे निहाल पांडे ने कहा कि उन्होंने अपनी मांग को लेकर फडणवीस के आवास के पास संविधान चौक से त्रिकोणी पार्क तक एक रैली निकालने की योजना बनाई थी। सीताबुल्दी थाने के एक अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने उपमुख्यमंत्री कार्यालय की ओर मार्च करना शुरू किया था, जिसके बाद उन्हें रोक दिया गया।

बिना मानदेय के महिलाओं का गुजारा करना हुआ मुश्किल

निहाल पांडे ने दावा किया है कि इन महिलाओं के लिए बिना मानदेय के गुजारा करना मुश्किल हो गया है। फडणवीस एक सप्ताह से विरोध के बावजूद प्रदर्शनकारियों से नहीं मिले हैं।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com